

سُورَةُ الْمَسَدِ

Surah 111 — Al-Masad (The Palm Fibre) · Meccan · 5 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ تَبَّتْ يَدَا أَبِي لَهَبٍ ۖ وَتَبَّ

अबु लहब के हाथ टूट जाएँ और वह खुद सत्यानास हो जाए

2

مَا أَغْنَىٰ عَنْهُ مَالُهُ ۖ وَمَا كَسَبَ

(आखिर) न उसका माल ही उसके हाथ आया और (न) उसने कमाया

3

سَيَصْلَىٰ نَارًا ۖ ذَا لَهَبٍ ۖ

वह बहुत भड़कती हुई आग में दाखिल होगा

4

وَأَمْرَأَتُهُ ۖ حَمَّالَةَ الْحَطَبِ ۖ

और उसकी जोरू भी जो सर पर ईंधन उठाए फिरती है

5

فِي جِيدِهَا حَبْلٌ ۖ مِّن مَّسَدٍ ۖ

और उसके गले में बटी हुई रस्सी बँधी है